



TOPIC.....

लेख

Date : .....

## हिन्दी भाषा के स्तम्भ

वर्णमाला हिन्दी की वैज्ञानिक मनभावन ।

१३ स्वर, ३७ व्यंजन, 'अक्षर' इसमें बावन ॥

कौई भी हो नाम अगर तो, संज्ञा वह कहलाता ।

संज्ञा के बदले जो आता, सर्वनाम बन जाता ॥

कौई भी हो काम अगर तो, क्रिया उसे हम कहते ।

जिनका रूप कभी न बदले, अव्यय शब्द होते ॥

पुरुष जाति का बोध कराते, शब्द कहलाते ' पुल्लिंग' ।

स्त्री जाति का बोध कराते, शब्द वहीं 'स्त्रीलिंग' ।

संख्या में हो एक अकेला, होता 'एकवचन' ।

अगर एक से ज्यादा हो तो, बनता 'बहुवचन' ॥

तीन पुरुष हिन्दी में होते, उत्तम, मध्यम, अन्य ।

उत्तम मैं हूँ, मध्यम तुम हो तीसरा होता अन्य ॥

जिन शब्दों का अर्थ एकसा, पर्यायवाची शब्द ।

एक दूसरे से जो उल्टे, होते विलोम शब्द ॥

हिताक्षी शर्मा, IV A

Design - C-120

